मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

06 जून, 2020

मुविवि में कोविड–19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी

लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दिनांक 06 जून, 2020 को **"कोविड–19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता"** विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय वेबिनार के मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ0 जगदीश उपासने जी तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चैनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा जी रही। मुख्य वक्ता पूर्व राज्य सभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक डॉ0 तरूण विजय जी रहे। राष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन एवं अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी ने की।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉक्टर दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉक्टर अनिल पांडे, डॉक्टर नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉक्टर योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

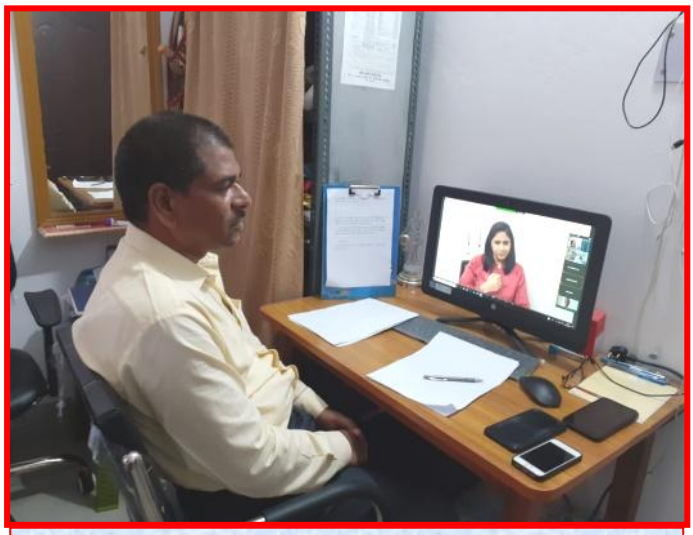

अतिथियों का स्वागत तथा संचालन करते हुए डॉ सतीश चंद्र जैसल

विषय प्रवर्तन करती हुई डॉ साधना श्रीवास्तव

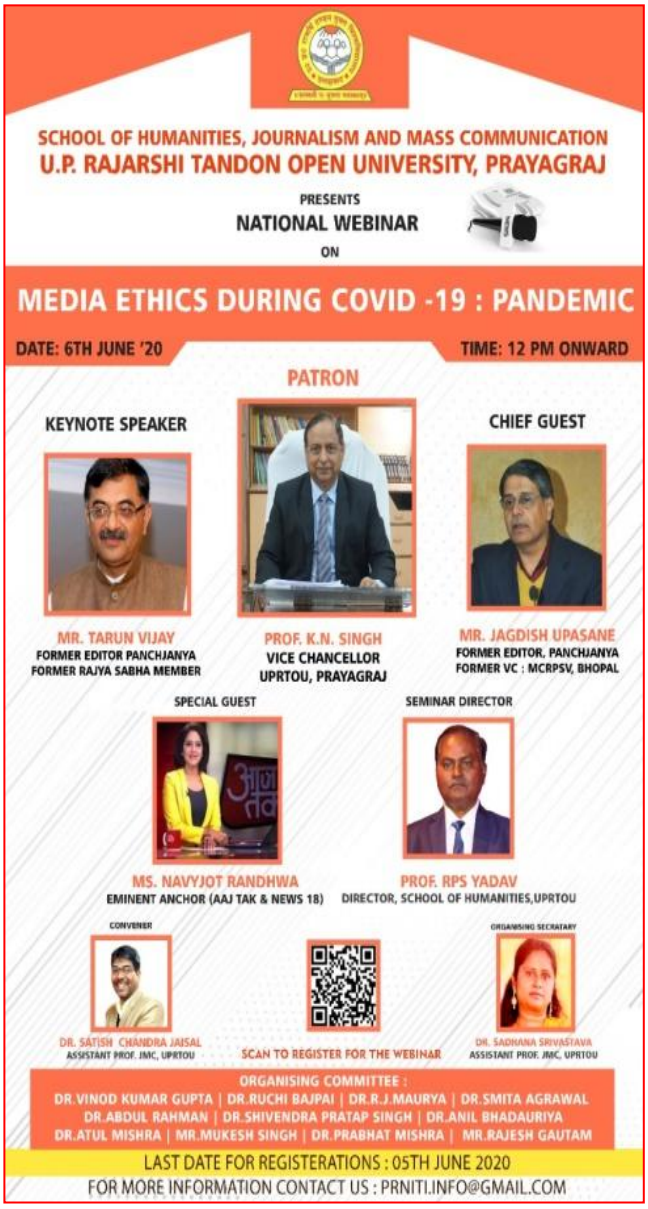

SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ
PRESENTS
NATIONAL WEBINAR
ON
MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC

अपने विचार व्यक्त करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

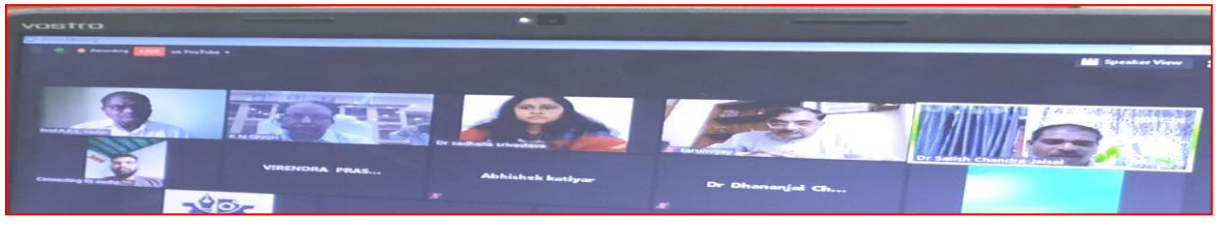

SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

PRESENTS

NATIONAL WEBINAR

ON

MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC

अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति डॉ0 जगदीश उपासने

भारतीय हितों का संरक्षण मीडिया का नैतिक दायित्व – जगदीश उपासने

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति डॉ0 जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

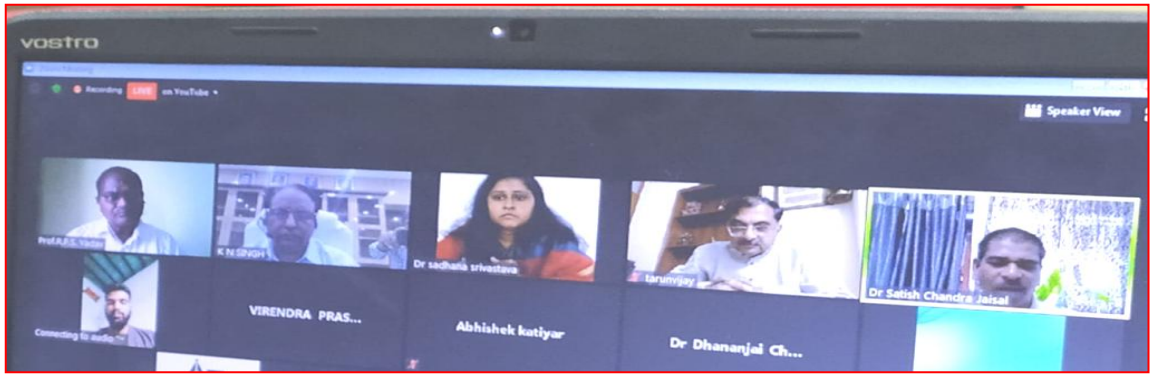

SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

PRESENTS

NATIONAL WEBINAR

ON

MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC

अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय

सही तथ्यों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य– तरुण विजय

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

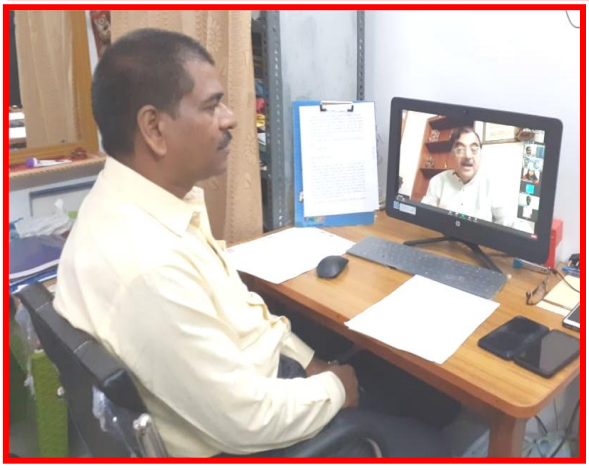

अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा

शब्दों के चयन एवं भाषा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता– नवजोत

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव

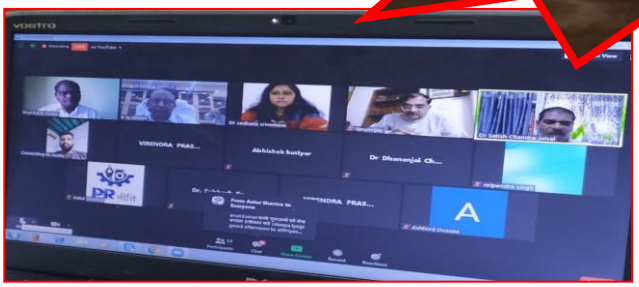

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

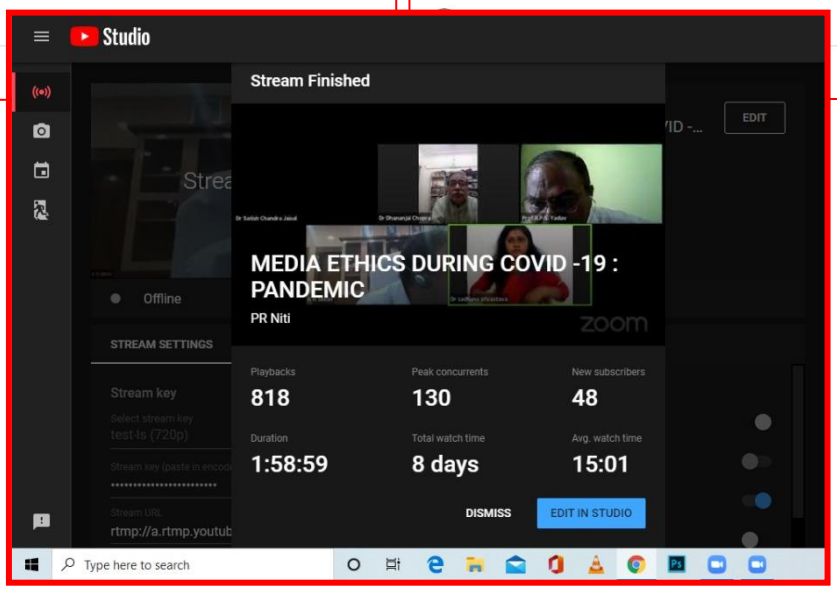

SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ
PRESENTS
NATIONAL WEBINAR
ON

MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC

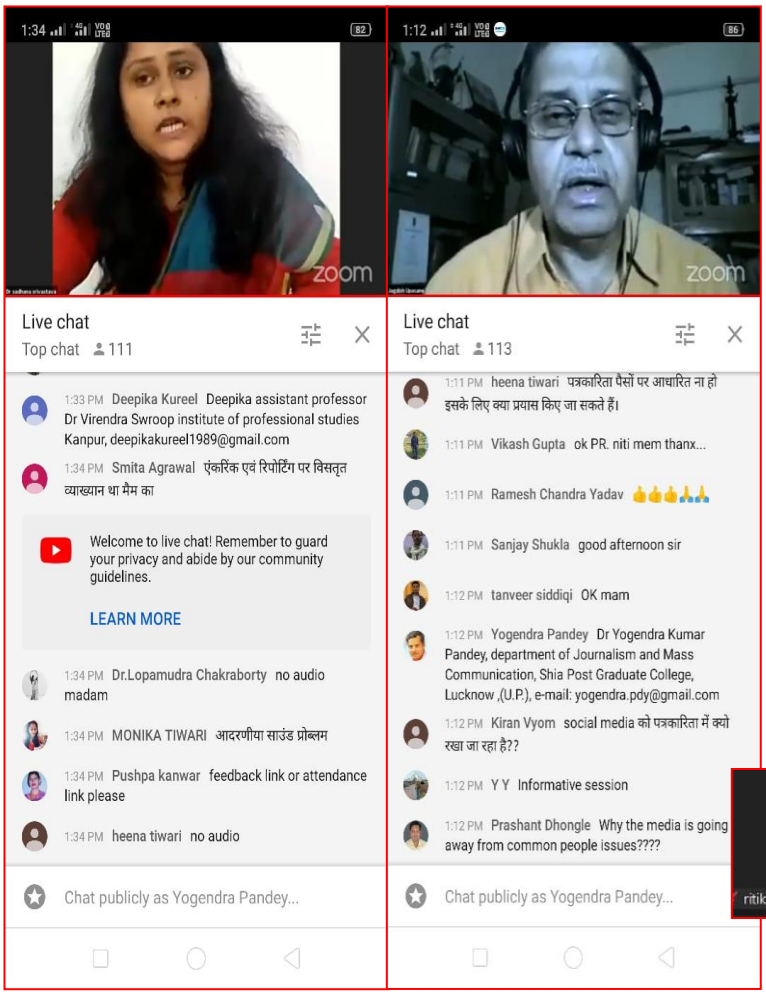

वेबिनार के आखिरी चरण में सवाल जवाब का सेशन हुआ जिसका संचालन पत्रकारिता विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया देश भर के कई राज्यों के सैकड़ों प्रतिभगियों ने सवाल पूछे जिसका जवाब वरिष्ठ पत्रकार जगदीश उपासने, तरूण विजय समेत कई विद्वानों ने दिया ।

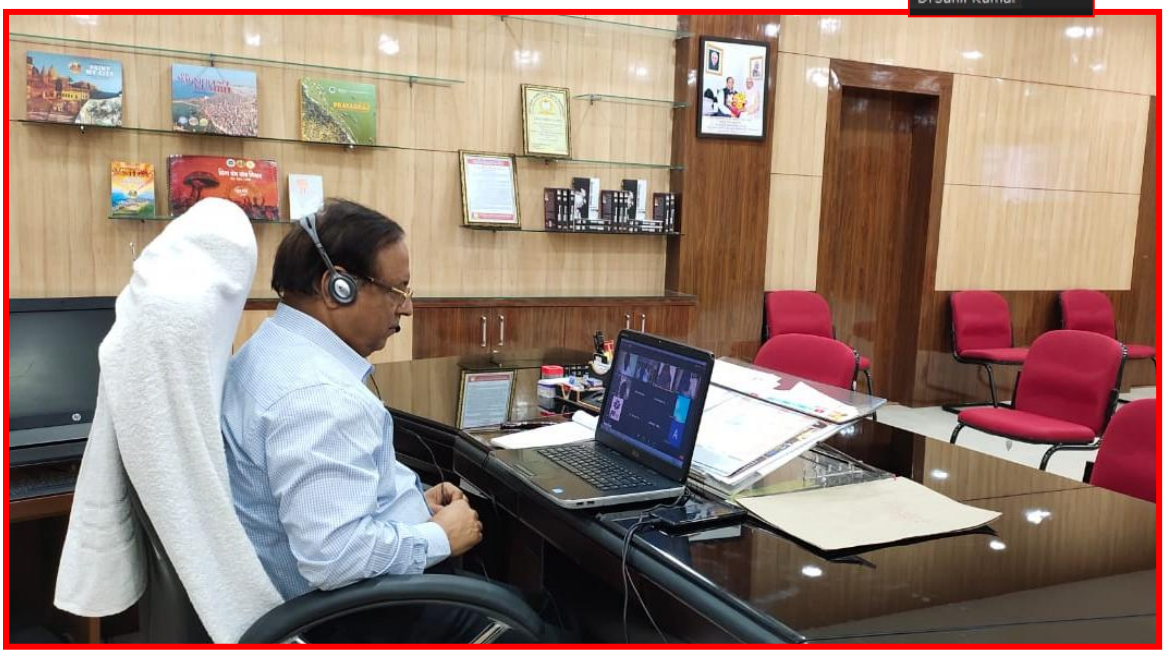

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

Sat. Jun 6th, 2020

COVERAGE INDIA
खबर पल - पल की

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

1 min read

1 hour ago Coverage India

कुलदीप शुक्ला, कवरेज इण्डिया न्यूज़ डेस्क प्रयागराज।

पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया।

वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

Vol. 12
Issue 331
Daily
pages - 8
Rs. 1.00
Morning
Edition
Prayagraj

PRAYAGRAJ SUNDAY, 7 JUNE 2020 WEBSITE : www.jeevanexpress.in RNI NO.- UPENG/2008/25430

JEEVAN EXPRESS

WORLD EDITORIAL SPORT

National webinar organized on journalism in Open University

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ : The objective of journalism is to spread information and awareness in the society as well as to develop the spirit of Lokmangal. Only the spirit of Lokmangal can protect the morality of media. Journalism has been a means of public interest and awareness since time immemorial, the tenacity and truth of the media.

The above quote was expressed by the Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Kameshwar Nath Singh in a national webinar on "Ethics of Media during Covid-19 Pandemic" organized by the Open University. Expressing concern over the bitterness and mistrust being spread in the society mainly by social media, Prof Singh said that this situation is definitely fatal to the society and the country. He said that this can be resolved only with the spirit of Lokmangal, which is necessary for the media in today's era. Prof Singh praised the role of journalists in the Corona era, advising that they should pay attention to the factual correctness of the news and avoid sensational headlines. He said that during the freedom movement, the journalism profession started from the mission has also moved ahead.

Chief Guest Makhanlal Chaturvedi National Journalism University, former Vice Chancellor Shri Jagdish Upasane expressed his views in the webinar and said that media work is not just to give information but to awaken and inspire the society. Preservation of values ??and promotion of the interests of India is the moral responsibility of the media. He said that at present lies, fake news and misleading news coming on social media is a matter of concern. Society and country cannot be put in jeopardy in the name of freedom of expression. Media has been discharging responsibilities and duties towards the society from the beginning.

Earlier, in the era of independence, during the plague epidemic and emergency crisis, the media performed its responsibility well. The media has seen many ups and downs. The role of vigilant young journalists is important in the period the media is going through at present.

Former editor of Panchjanya, the keynote speaker at the National Webinar, and Mr. Tarun Vijay, Rajya Sabha MP said that for the safety, security and interest of India, Indianness and Indian people it is necessary that the media do not disseminate unilateral news. He interpreted journalism as the religion of the pen and the iniquity of the pen. He said that journalism run by Indian mind and Indian money is the religion of pen whereas he called journalism run by foreign mind and foreign money. Shri Vijay said that it is the work of media to save communal harmony and society from breaking up. The defense of Indian constitution and law is the religion of media. Exposing the right and good things is the main function of the media. Young journalists have to avoid extremism and have balanced journalism. Distinguished guest noted anchor Navjot Randhawa posed the challenges of electronic media. He said that journalists should pay special attention to the selection of language and words for communicating the news. He gave useful suggestions about the technique of reporting in times of Corona crisis. Earlier, guests were welcomed and handled by Dr. Satish Chandra Jaisal and Dr. Sadhana Srivastava, the subject enforcement. Dr. Dhananjay Chopra, Dr. Digvijay Singh Rathore, Dr. Sunil Kumar, Dr. Neeraj Sachan, Dr. Anil Pandey, Dr. Nalini Singh, Prashant Kumar, Meraj and Dr. Yogendra Pandey etc. participated in the webinar. In this successful webinar of journalism, nearly 12 hundred participants were connected online. The vote of thanks was given by Professor RPS Yadav, Director, Humanities Education Branch.

आज

website : www.ajhindidaily.com 100 www.ajhindidaily.in

प्रयागराज, रविवार ७ जून, २०२०

लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता–प्रो. सिंह

पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर है। प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। यह विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड -१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए।

मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे है। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है। नेशनल वेबिनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम्म के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम्म का अधर्म कहा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डा. सतीशचंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डा. साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबिनार में डा. धनंजय चोपड़ा, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. सुनील कुमार, डा. नीरज सचान, डा. अनिल पांडये, डा. नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डा. योगेंद्र पांडेय आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब १२ सौ प्रतिभागी आनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया।

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

Breaking News State News

Media ethics from the spirit of Lokmangal- Professor Singh

Prayagraj. the objective of journalism is to spread information and awareness in the society as well as to develop the spirit of Lokmangal. Only the spirit of Lokmangal can protect the morality of media. Journalism has been a means of public interest and awareness since time immemorial, the tenacity and truth of the media.

The above quote was expressed by the Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Kameshwar Nath Singh in a national webinar on "Ethics of Media during Kovid-19 Pandemic" organized by the Open University. Expressing concern over the bitterness and mistrust being spread in the society mainly by social media, Prof Singh said that this situation is definitely fatal to the society and the country. He said that this can be resolved only with the spirit of Lokmangal, which is necessary for the media in today's era. Prof Singh praised the role of journalists in the Corona era, advising that they should pay attention to the factual correctness of the news and avoid sensational headlines. He said that during the freedom movement, the journalism profession started from the mission has also moved ahead.

Chief Guest Makhanlal Chaturvedi National Journalism University, formerVice Chancellor Shri Jagdish Upasane expressed his views in the webinar and said that media work is not just to give information but to awaken and in spire the society. Preservation of values and promotion of the interests of India is the moral responsibility of the media. He said that at present lies, fake news and misleading news coming on social media is a matter of concern. Society and country cannot be put in jeopardy in the name of freedom of expression. Media has been discharging responsibilities and duties towards the society from the beginning.

Earlier, in the era of independence, during the plague epidemic and emergency crisis, the media performed its responsibility well. The media has seen many ups and downs. The role of vigilant young journalists is important in the period the media is going through at present.

Former editor of Panchjanya, the keynote speaker at the National Webinar, and Mr. Tarun Vijay, Rajya Sabha MP said that for the safety, security and interest of India, Indianness and Indian people it is necessary that the media do not disseminate unilateral news. He interpreted journalism as the religion of the pen and the iniquity of the pen. He said that journalism run by Indian mind and Indian money is the religion of pen whereas he called journalism run by foreign mind and foreign money.

Shri Vijay said that it is the work of media to save communal harmony and society from breaking up. The defense of Indian constitution and law is the religion of media. Exposing the right and good things is the main function of the media. Young journalists have to avoid extremism and have balanced journalism.

Distinguished guest noted anchor Navjot Randhawa posed the challenges of electronic media. He said that journalists should pay special attention to the selection of language and words for communicating the news. He gave useful suggestions about the technique of reporting in times of Corona crisis.

Earlier, guests were welcomed and handled by Dr. Satish Chandra Jaisal and Dr. Sadhana Srivastava, the subject enforcement.

Dr. Dhananjay Chopra, Dr. Digvijay Singh Rathore, Dr. Sunil Kumar, Dr. Neeraj Sachan, Dr. Anil Pandey, Dr. Nalini Singh, Prashant Kumar, Meraj and Dr. Yogendra Pandey etc. participated in the webinar. In this successful webinar of journalism, around 1200 participants were connected online. The vote of thanks was given by Professor RPS Yadav, Director, Humanities Education Branch.

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष 11, वर्ष 9, अंक 50, पृष्ठ 12, मूल्य 3.00

प्रयागराज, रविवार, 7 जून, 2020

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर बरामद किया लकड़ियों का जखीरा- 11

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए आराधना को तैयार हो रहे मंदिर- 14

प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

नैनी । पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ₹कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता₹ विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। वहीं मुख्य

संबोधित करते कुलपति

रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। वहीं मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक व राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें न प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या किया। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत व संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल और विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडेय, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज व डॉ योगेंद्र पांडेय मौजूद रहे। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

Aag Gorakhpur

Page 1 ▾ 07-Jun-2020

روزنامہ آگ

اخبار آپ کا

URDU DAILY AAG GORAKHPUR www.dailyaag.com

Gorakhpur 07 June, 2020 Sunday, Pages (8+4) Price Rs. 3.00, Issue (04) Volume (11)

R.N.I.No.UPURD/2010/35463

عوامی جذبات سے ہی میڈیا کے اخلاقیات کا تحفظ ممکن: پروفیسر سنگھ

پریاگ راج (نامہ نگار)۔ صحافت کا مقصد سماج میں خبریں اور بیداری پھیلانے کے ساتھ ساتھ عوامی جذبات کی ترقی کرتا ہے۔ عوامی جذبات ہی میڈیا کے اخلاقیات کا تحفظ کر سکتی ہے۔ میڈیا کی مضبوطی اور سچائی سماج کیلئے فائدہ مند ہے۔ زمانہ قدیم سے ہی صحافت عوامی بھلائی اور بیداری کا ذریعہ رہی ہے۔ مذکورہ خیالات اترپردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے یونیورسٹی کے ذریعہ منعقد 'کووڈ-19 وبا کے دوران میڈیا کی اخلاقیات' موضوع پر قومی ویبینار میں ظاہر کئے۔ پروفیسر سنگھ نے خاص طور سے سوشل میڈیا کے ذریعہ سماج میں پھیلائی جا رہی کڑواہٹ اور عدم اطمینان پر تشویش کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ یہ حالت یقینی طور پر سماج کی بھلائی اور ملک کی بھلائی کیلئے مضر ہے۔ انہوں نے کہا کہ اس کا حل عوامی جذبات سے ہی کیا جا سکتا ہے جو آج کے دور میں میڈیا کیلئے ضروری ہے۔

پروفیسر سنگھ نے کورونا کے دور میں صحافیوں کے کردار کی تعریف کرتے ہوئے کہا کہ انہیں خبروں کی سچائی پر توجہ دینا چاہئے اور سنسنی خیز ہیڈلائن سے بچنا چاہئے۔ انہوں نے کہا کہ جنگ آزادی کے دوران مشن سے شروع ہوئی صحافت پروفیشن سے بھی آگے بڑھ چکی ہے۔ مہمان خصوصی ماکھن لال چترویدی قومی صحافت یونیورسٹی بھوپال کے سابق وائس چانسلر جگدیش اپاسنے نے ویبینار میں اپنے خیالات کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ میڈیا کا کام صرف خبریں دینا نہیں ہے بلکہ سماج کو جگانا اور راغب کرنا

ہے۔ اقتدار کا تحفظ اور ملک کے مفاد کو بڑھانا میں میڈیا کا اخلاقی فریضہ ہے۔ انہوں نے کہا کہ موجودہ وقت میں جھوٹ، غلط خبر اور سوشل میڈیا پر آ رہی گمراہ کن خبریں باعث تشویش ہیں۔

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सदभावना का प्रतीक

वर्ष -10, अंक 35 बस्ती, रविवार 7 जून 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPHI

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

सदभावना का प्रतीक
समाचार प्रतापगढ।

6 जून 2020 को पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।उक्त जानकारी जारी विज्ञप्ति में डॉ प्रभात चंद्र मिश्र मीडिया प्रभारी ने दी है।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 67, प्रयागराज, रविवार 07 जून 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

कोरोना देश में मरीजों की संख्या 236657 | मृतकों की संख्या 6642 | ठीक हुये मरीज 114073

एक्सप्रेस **प्रयागराज**

भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व : जगदीश उपासने

प्रयागराज (हि.स.)। मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।

यह बातें मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने शनिवार को मुक्त विवि द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान 'मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर में प्लेग महामारी के समय तथा आपातकाल के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म: तरूण विजय

मुख्य वक्ता पांचजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन

द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता : कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। यही भावना ही मीडिया के नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उन्होंने सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज तथा देश हित के लिए घातक है। इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा।

कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ. सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। वेबीनार में डॉ.धनंजय चोपड़ा, डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.सुनील कुमार, डॉ.नीरज सचान, डॉ.अनिल पांडे, डॉ.नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ.योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:12 बजे
सूर्यास्त : 06:56 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 161 | प्रयागराज, रविवार 07 जून, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये

जोकोविच ने स्वास्थ्य

लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता : प्रो. सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार

(काशी प्रसाद जायसवाल)

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज मे फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर मे मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल मे पत्रकारो की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरो की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने

वेबीनार मे अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नही है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यो का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान मे झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरे चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट मे नही डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यो का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर मे, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे है। वर्तमान मे मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमे सजग युवा पत्रकारो की भूमिका अहम है। नेशनल वेबीनार मे मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरे ना प्रसारित करे। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप मे व्याख्यायित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातो को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारो को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरो के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारो को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे मे उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियो का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार मे डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार मे करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

रविवारीय

लखनऊ
रविवार, 7 जून 2020 ई.
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 15
सं. 2077 वि.

स्वतंत्र भारत

प्रकाशन का 73वां वर्ष

epaper: swatantrabharat.net

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष 73 अंक 288 नगर संस्करण पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता:प्रो. सिंह

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उक्त बातें आज यहां उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड-१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए।

प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पांचजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डा.सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डा.साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डा. ध नंजय चोपड़ा, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा.सुनील कुमार, डा.नीरज सचान, डा.अनिल पांडे, डा. नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डा. योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब १२ सौ प्रतिभागी आनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

1991-2019 29वां रजत जयंती वर्ष
प्रयागराज, वर्ष 29 अंक 271 रविवार 07 जून, 2020 पृष्ठ 12 ₹4.00
राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
www.swatantrachetnanews.com गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

सुनील ग्रोवर के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं कपिल शर्मा

कोरोना काल के बाद अब वर्चुअल राजनीति होगी: रविशंकर प्रसाद

लोक मंगल की भावना की मीडिया की नैतिकता–प्रो. सिंह

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोक मंगल की भावना का विकास करना है। लोक मंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही। यह बात राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विवि द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषयक राष्ट्रीय बेबिनार का शुभारंभ करते हुए कही।

प्रो. सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाये जा रहे कटुता अंध विश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति समाज के लिए घातक है। इसका समाधान लोक मंगल की भावना से किया जा सकता है जो आज की

मुक्त विवि में पत्रकारिता पर हुआ राष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन

दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रो. सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारो की भूमिका की सराहना करते हुए खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनी खेद हेडलाइन से बचना चाहिए और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोसेशन से आगे बढ़ चली। इस अवसर पर मानखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति ने कहा कि मीडिया का काम सूचना देना नहीं बल्कि समाज को जगाने एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संरक्षण मीडिया का नैतिक दायित्व है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। इस अवसर पर सांसद तरुण विजय, नवजोत रनधावा, डा. सतीश जैसल, डा. साधना श्रीवास्तव, धनंजय चोपड़ा, सुनील कुमार, डा. नीरज सचान, डा. नंदिनी सिंह, डा. योगेन्द्र पाण्डेय ने अपने विचार रखे। बेबिनार में लगभग 1200 प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

लोकमित्र

प्रतापगढ़ | रविवार | 7 जून-2020

लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्टीय वेबीनार का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो,

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित -कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता- विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।